मृदा परीक्षण जरूरी, कंपोस्ट और हरी खाद का प्रयोग करें किसान

विश्व मृदा दिवस पर किसानों को किया जागरूक, मिट्टी की उर्वरता पर हुई चर्चा

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 5 दिसम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित अनौगी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, कन्नौज में आज विश्व मृदा दिवस मनाया गया। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को संबोधित करते हुए कहाकि इस दिवस को मनाने का उद्देश्य किसानों के साथ-साथ आम जनमानस को मिट्टी की महत्ता के बारे में जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि मृदा निर्माण एक जटिल प्रक्रिया है जिसमें एक इंच मिट्टी की परत के निर्माण में 500 से 2000 वर्ष लग जाते हैं इसलिए हमारी जिम्मेदारी है कि हम मिट्टी को स्वस्थ बनाए रखें। विश्व मृदा दिवस-2021 की थीम मृदा लवणता से संबंधित जानकारी देते हुए उन्होंने कहाकि इस वर्ष का अभियान है मिट्टी की लवणता को रोकें, मिट्टी की उत्पादकता को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में रासायनिक खादों और कीटनाशकों के लिए दवाओं के इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरा शक्ति समाप्त होती जा रही है। उन्होंने कहा कि मृदा संरक्षण पर विशेष बल दिया जाए उन्होंने इस अवसर पर किसानों को एक नारा भी दिया कि स्वस्थ धरा, तो खेत हरा। वैज्ञानिक ने बताया कि किसान भाई अपने खेतों का मृदा परीक्षण अवश्य कराएं, जिससे मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों की सही जानकारी मिल जाती है। उन्होंने किसान भाइयों को सलाह दी कि मिट्टी परीक्षण द्वारा फसल के लिए उर्वरकों की उचित मात्रा की सिफारिश की जाती है। खादों के प्रयोग का समय तथा तरीके के बारे में पूर्ण जानकारी मिलती है। मिट्टी परीक्षण द्वारा छारीय और लवणीय भूमियों की समस्या और उनके सुधारने के बारे में भी जानकारी प्राप्त हो जाती है। उन्होंने किसान भाइयों से अपील की कि वे अपनी मिट्टी को स्वस्थ बनाए रखने के लिए केंचुए की खाद एवं नाडेप कंपोस्ट तथा हरी खाद का प्रयोग अवश्य करें जिससे मृदा में जीवांश कार्बन की बढ़ोतरी हो। कार्यक्रम में गृह वैज्ञानिक डॉ चंद्रकला यादव ने पोषण वाटिका से संबंधित किसानों को विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर मौसम वैज्ञानिक अमरेंद्र यादव सहित किसान जितेंद्र सिंह, रामनाथ, वीरभान सिंह सहित लगभग एक सैकड़ा किसान भाई उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत वैज्ञानिक डा. अमर सिंह ने और धन्यवाद डा. सी. के. राय ने किया। संचालन डा. चंद्रकला यादव ने किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते वैज्ञानिक।

मिट्टी जांच कर खाद का उचित प्रयोग करें

▸ विश्व मृदा दिवस पर किसानों को किया जागरूक, मिट्टी की उर्वरता पर हुई चर्चा

डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित अनौगी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, कन्नौज में विश्व मृदा दिवस मनाया गया। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि इस दिवस को मनाने का उद्देश्य किसानों के साथ-साथ आम जनमानस को मिट्टी की महत्ता के बारे में जागरूक करना है उन्होंने बताया कि मृदा निर्माण एक जटिल प्रक्रिया है जिसमें 1 इंच मिट्टी की परत के निर्माण में 500 से 2000 वर्ष लग जाते हैं इसलिए हमारी जिम्मेदारी है कि हम मिट्टी को स्वस्थ बनाए रखें। किसान पहले मिट्टी की सेहत की जांच करें इसके बाद उचित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करें।

मिट्टी की लवणता को रोकें और उत्पादकता को बढ़ाएं

उन्होंने बताया कि विश्व मृदा दिवस 2021 की थीम मृदा लवणता से संबंधित है उन्होंने कहा कि इस वर्ष का अभियान है मिट्टी की लवणता को रोकें, मिट्टी की उत्पादकता को बढ़ावा दें उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में रासायनिक खादों और कीटनाशकों के लिए दवाओं के इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरा शक्ति समाप्त होती जा रही है।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मृदा संरक्षण पर विशेष बल दिया जाए उन्होंने इस अवसर पर किसानों को एक नारा भी दिया कि स्वस्थ धरा, तो खेत हरा। डॉ खलील खान ने बताया कि किसान भाई अपने खेतों का मृदा परीक्षण अवश्य कराएं। जिससे मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों की सही जानकारी मिल जाती है।

उन्होंने किसान भाइयों को सलाह दी कि मिट्टी परीक्षण द्वारा फसल के लिए उर्वरकों की उचित मात्रा की सिफारिश की जाती है। खादों के प्रयोग का समय तथा तरीके के बारे में पूर्ण जानकारी मिलती है मिट्टी परीक्षण द्वारा छारीय और लवणीय भूमियों की समस्या और उनके सुधारने के बारे में भी जानकारी प्राप्त हो जाती है।

उन्होंने किसान भाइयों से अपील की कि वे अपनी मिट्टी को स्वस्थ बनाए रखने के लिए केंचुए की खाद एवं नाडेप कंपोस्ट तथा हरी खाद का प्रयोग अवश्य करें जिससे मृदा में जीवांश कार्बन की बढ़ोतरी हो।

पोषण वाटिका के बारे में जानकारी दी

इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉ चंद्रकला यादव ने पोषण वाटिका से संबंधित किसानों को विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन केंद्र के गृह वैज्ञानिक डॉ चंद्रकला यादव ने किया। जबकि अतिथियों का स्वागत उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अमर सिंह ने किया। अंत में सभी अतिथियों का धन्यवाद पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर सी के राय ने किया। इस अवसर पर मौसम वैज्ञानिक अमरेंद्र यादव सहित किसान जितेंद्र सिंह, रामनाथ, वीरभान सिंह सहित लगभग एक सैकड़ा किसान भाई उपस्थित रहे।

वर्ष 15 अंक 332 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, सोमवार 06 दिसम्बर 2021
कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, एटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित
RNI N.UPHIN/2007/27090
दैनिक नगर छाया
आप की आवाज़.....

विश्व मृदा दिवस पर किसानों को किया जागरूक

मिट्टी की उर्वरता पर हुई चर्चा

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित अनौगी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, कन्नौज में आज दिनांक 5 दिसंबर 2021 को विश्व मृदा दिवस मनाया गया। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि इस दिवस को मनाने का उद्देश्य किसानों के साथ-साथ आम जनमानस को मिट्टी की महत्ता के बारे में जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि मृदा निर्माण एक जटिल प्रक्रिया है जिसमें 1 इंच मिट्टी की परत के निर्माण में 500 से 2000 वर्ष लग जाते हैं इसलिए हमारी जिम्मेदारी है कि हम मिट्टी को स्वस्थ बनाए रखें। उन्होंने बताया कि विश्व मृदा दिवस 2021 की थीम मृदा लवणता से संबंधित है उन्होंने कहा कि इस वर्ष का अभियान है मिट्टी की लवणता को रोकें, मिट्टी की उत्पादकता को बढ़ावा दें उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में रासायनिक खादों और कीटनाशकों के लिए दवाओं के इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरा शक्ति समाप्त होती जा रही है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मृदा संरक्षण पर विशेष बल दिया जाए उन्होंने इस अवसर पर किसानों को एक नारा भी दिया कि स्वस्थ धरा, तो खेत हरा। डॉ खलील खान ने बताया कि किसान भाई अपने खेतों का मृदा परीक्षण अवश्य कराएं। जिससे मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों की सही जानकारी मिल जाती है। उन्होंने किसान भाइयों को सलाह दी कि मिट्टी परीक्षण द्वारा फसल के लिए उर्वरकों की उचित मात्रा की सिफारिश की जाती है। खादों के प्रयोग का समय तथा तरीके के बारे में पूर्ण जानकारी मिलती है मिट्टी परीक्षण द्वारा छारीय और लवणीय भूमियों की समस्या और उनके सुधारने के बारे में भी जानकारी प्राप्त हो जाती है। उन्होंने किसान भाइयों से अपील की कि वे अपनी मिट्टी को स्वस्थ बनाए रखने के लिए केंचुए की खाद एवं नाडेप कंपोस्ट तथा हरी खाद का प्रयोग अवश्य करें जिससे मृदा में जीवांश कार्बन की बढ़ोतरी हो। इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉ चंद्रकला यादव ने पोषण वाटिका से संबंधित किसानों को विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन केंद्र के गृह वैज्ञानिक डॉ चंद्रकला यादव ने किया। जबकि अतिथियों का स्वागत उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अमर सिंह ने किया। अंत में सभी अतिथियों का धन्यवाद पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर सी के राय ने किया। इस अवसर पर मौसम वैज्ञानिक अमरेंद्र यादव सहित किसान जितेंद्र सिंह, रामनाथ, वीरभान सिंह सहित लगभग एक सैकड़ा किसान भाई उपस्थित रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश
केजरीवाल पर नवजोत सिद्धू का वार... 12
69 हजार शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों के साथ मायावती... 03
जन एक्सप्रेस
@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper लखनऊ । सोमवार । 06 दिसंबर, 2021
लखनऊ वर्ष: 13 । अंक: 55 मूल्य: ₹3.00/- पेज : 12

फास्ट फॉरवर्ड ⏭

कृषि विज्ञान केंद्र में मनाया गया विश्व मृदा दिवस

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित अनौगी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, कन्नौज मे रविवार को विश्व मृदा दिवस मनाया गया। जिसमे मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि विश्व मृदा दिवस को मनाने का उद्देश्य किसानों के साथ–साथ आम जनमानस को मिट्टी की महत्ता के बारे में जागरूक करना है।उन्होंने बताया कि मृदा निर्माण एक जटिल प्रक्रिया है जिसमें 1 इंच मिट्टी की परत के निर्माण में 500 से 2000 वर्ष लग जाते हैं इसलिए हमारी जिम्मेदारी है कि हम मिट्टी को स्वस्थ बनाए रखें। डॉ. खान ने बताया कि विश्व मृदा दिवस 2021 की थीम मृदा लवणता से संबंधित है इस वर्ष का अभियान मिट्टी की लवणता को रोकना और उसकी उत्पादकता को बढ़ावा देना व मिट्टी संरक्षण पर विशेष बल देना है। उन्होंने किसानों को एक नारा स्वस्थ धरा, तो खेत हरा देते हुए उन्हे अपने खेतों का मृदा परीक्षण कराने की सलाह दी।गृह वैज्ञानिक डॉ. चंद्रकला यादव ने पोषण वाटिका से संबंधित किसानों को विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर मौसम वैज्ञानिक अमरेंद्र यादव सहित किसान जितेंद्र सिंह, रामनाथ, वीरभान सिंह सहित लगभग एक सैकड़ा किसान भाई उपस्थित रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress

WORLD खबर EXPRESS

रविवार, 05-12-2021 अंक- 421
www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

WORLD खबर एक्सप्रेस
MID DAY E-PAPER

'स्वस्थ धरा तो खेत हरा।'

सीएसए में मनाया गया 'विश्व मृदा दिवस', मिट्टी की उर्वरता पर हुई चर्चा

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित अनौगी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, कन्नौज में रविवार को 'विश्व मृदा दिवस' मनाया गया। इस अवसर पर केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि इस दिवस को मनाने का उद्देश्य किसानों के साथ-साथ आम जनमानस को मिट्टी की महत्ता के बारे में जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि मृदा निर्माण एक जटिल प्रक्रिया है जिसमें एक इंच मिट्टी की परत के निर्माण में 500 से 2000 वर्ष लग जाते हैं, इसलिए हमारी जिम्मेदारी है कि हम मिट्टी को स्वस्थ बनाए रखें। उन्होंने बताया कि 'विश्व मृदा दिवस-2021' की थीम मृदा लवणता से संबंधित है।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष का अभियान है मिट्टी की लवणता को रोके, मिट्टी की उत्पादकता को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में रासायनिक खादों और कीटनाशकों के लिए दवाओं के इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरा शक्ति समाप्त होती जा रही है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मृदा संरक्षण पर विशेष बल दिया जाए। उन्होंने किसानों को एक नारा भी दिया कि 'स्वस्थ धरा तो खेत हरा।' डॉ. खलील खान ने बताया कि किसान अपने खेतों का मृदा परीक्षण अवश्य कराएं जिससे मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों की सही जानकारी मिल जाती है। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि मिट्टी परीक्षण के जरिए फसल के लिए उर्वरकों की उचित मात्रा की सिफारिश की जाती है।

खादों के प्रयोग का समय तथा तरीके के बारे में पूर्ण जानकारी मिलती है। मिट्टी परीक्षण से छारीय और लवणीय भूमियों की समस्या व उनके सुधारने के बारे में भी जानकारी प्राप्त हो जाती है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे अपनी मिट्टी को स्वस्थ बनाए रखने के लिए केंचुए की खाद एवं नाडेप कंपोस्ट तथा हरी खाद का प्रयोग अवश्य करें जिससे मृदा में जीवांश कार्बन की बढ़ोतरी हो। इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉ. चंद्रकला यादव ने पोषण वाटिका से संबंधित किसानों को विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन केंद्र के गृह वैज्ञानिक डॉ. चंद्रकला यादव ने किया। अतिथियों का स्वागत उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अमर सिंह ने किया। अंत में सभी अतिथियों का धन्यवाद पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. सीके राय ने किया। इस अवसर पर मौसम वैज्ञानिक अमरेंद्र यादव, किसान जितेंद्र सिंह, रामनाथ, वीरभान सिंह सहित अन्य रहे।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • सोमवार • 6 दिसम्बर • 2021

एक इंच मिट्टी की परत बनने में लगते हैं सैकड़ों साल

सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के अनौगी कृषि विज्ञान केन्द्र पर रविवार को विश्व मृदा दिवस' कार्यक्रम आयोजित कर मिट्टी की उर्वरता पर चर्चा की गई। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य किसानों के साथ आमजनों को मिट्टी की महत्ता को लेकर जागरूक करना है। कार्यक्रम में मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने जहां मिट्टी की उर्वरता को लेकर अपने विचार व्यक्त किये, वहीं गृह वैज्ञानिक डॉ.चन्द्रकला यादव ने पोषण वाटिका से संबंधित जानकारी दी।

केन्द्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने किसानों को मिट्टी की उर्वरता संरक्षण को लेकर जागरूक करते हुए कहा कि मृदा निर्माण एक जटिल प्रक्रिया है, जिसमें एक इंच मिट्टी की परत निर्माण में 500 से 2000 वर्ष लग जाते हैं। इसलिए हमारी जिम्मेदारी है कि हम मिट्टी को स्वास्थ बनाये रखें। उन्होंने कहा कि विश्व मृदा दिवस 2021 की थीम मृदा लवणता है। लक्ष्य मिट्टी की लवणता को रोक उसकी उत्पादकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में रासायनिक खादों व कीटनाशक दवाओं के इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरता शक्ति धीरे-धीरे कम होती जा रही है। लिहाजा मृदा संरक्षण पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। उन्होंने किसानों को 'स्वस्थ धरा तो खेत हरा' का ध्यान रख खेतीबारी करने को प्रेरित किया। उन्होंने मिट्टी को स्वस्थ बनाये रखने के लिए केंचुए की खाद, नाडेप कंपोस्ट व हरी खाद का प्रयोग करने का सुझाव दिया,जिससे मृदा में जीवांश कार्बन में बढ़ोतरी हो। उद्यान वैज्ञानिक डॉ.अमर सिंह, पशुपालन वैज्ञानिक डॉ.सीके राय, मौसम वैज्ञानिक अमरेन्द्र यादव व किसानों में जितेन्द्र सिंह, रामनाथ, वीरभान सिंह आदि ने भागीदारी की।

सीएसए के अनौंगी कृषि विज्ञान केंद्र पर मनाया गया विश्व मृदा दिवस कार्यक्रम।

विश्व मृदा दिवस पर मिट्टी की उर्वरता पर हुयी चर्चा

Sign in to edit and save changes to this file.

आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/44666
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
सत्ता एक्सप्रेस
डी.ए.वी.पी नई दिल्ली एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त
वर्ष: 13 अंक : 53 कानपुर देहात, सोमवार 06 दिसम्बर 2021 Email: sattaexpress@rediffmail.com पृष्ठ : 4

कानपुर देहात, सोमवार 06 दिसम्बर,2021

विश्व मृदा दिवस पर किसानों को किया जागरूक,मिट्टी की उर्वरता पर हुई चर्चा

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस

कानपुर/कन्नौज। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित अनौगी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, कन्नौज में दिनांक 5 दिसंबर 2021 को विश्व मृदा दिवस मनाया गया। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि इस दिवस को मनाने का उदेश्य किसानों के साथ-साथ आम जनमानस को मिट्टी की महत्ता के बारे में जागरूक करना है।उन्होंने बताया कि मृदा निर्माण एक जटिल प्रक्रिया है जिसमें 1 इंच मिट्टी की परत के निर्माण में 500 से 2000 वर्ष लग जाते हैं इसलिए हमारी जिम्मेदारी है कि हम मिट्टी को स्वस्थ बनाए रखें। उन्होंने बताया कि विश्व मृदा दिवस 2021 की थीम मृदा लवणता से संबंधित है उन्होंने कहा कि इस वर्ष का अभियान है मिट्टी की लवणता को रोके, मिट्टी की उत्पादकता को बढ़ावा दें।उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में रासायनिक खादों और कीटनाशकों के लिए दवाओं के इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरा शक्ति समाप्त होती जा रही है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मृदा संरक्षण पर विशेष बल दिया जाए उन्होंने इस अवसर पर किसानों को एक नारा भी दिया कि स्वस्थ धरा, तो खेत हरा। डॉ खलील खान ने बताया कि किसान भाई अपने खेतों का मृदा परीक्षण अवश्य कराएं। जिससे मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों की सही जानकारी मिल जाती है। उन्होंने किसान भाइयों को सलाह दी कि मिट्टी परीक्षण द्वारा फसल के लिए उर्वरकों की उचित मात्रा की सिफारिश की जाती है। खादों के प्रयोग का समय तथा तरीके के बारे में पूर्ण जानकारी मिलती है।मिट्टी परीक्षण द्वारा छारीय और लवणीय भूमियों की समस्या और उनके सुधारने के बारे में भी जानकारी प्राप्त हो जाती है। उन्होंने किसान भाइयों से अपील की कि ये अपनी मिट्टी को स्वस्थ बनाए रखने के लिए केंचुए की खाद एवं नाडेप कंपोस्ट तथा हरी खाद का प्रयोग अवश्य करें जिससे मृदा में जीवांश कार्बन की बढ़ोतरी हो। इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉ चंद्रकला यादव ने पोषण वाटिका से संबंधित किसानों को विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन केंद्र के गृह वैज्ञानिक डॉ चंद्रकला यादव ने किया। जबकि अतिथियों का स्वागत उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अमर सिंह ने किया। अंत में सभी अतिथियों का धन्यवाद पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर सी के राय ने किया। इस अवसर पर मौसम वैज्ञानिक अमरेंद्र यादव सहित किसान जितेंद्र सिंह, रामनाथ, वीरभान सिंह सहित लगभग एक सैकड़ा किसान भाई उपस्थित रहे।